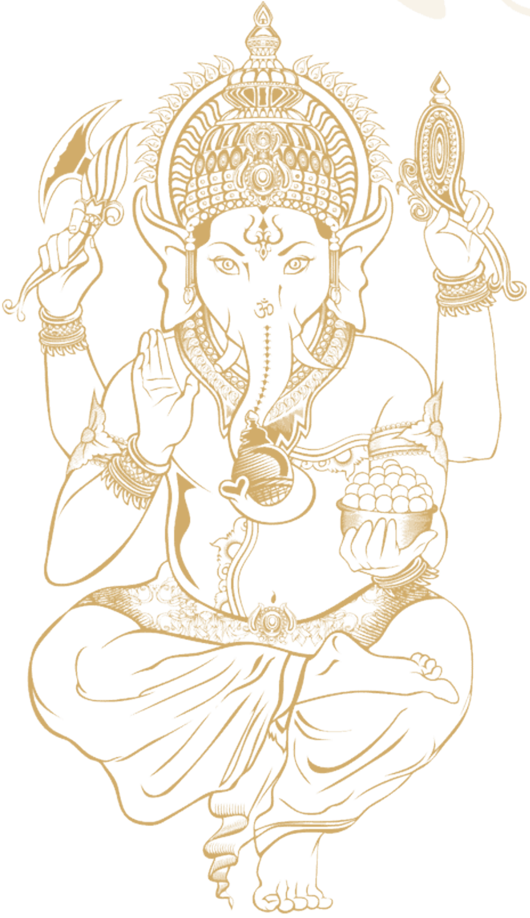

Xxxccccc

03 Apr 2026

10:55 AM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121705603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/04/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**10:55:00 घंटे**
इष्ट	12:00:14 घटी
स्थान	**Gwalior**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:37:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:19 घंटे
साम्पातिक काल	23:23:51 घंटे
सूर्योदय	06:06:54 घंटे
सूर्यास्त	18:34:59 घंटे
दिनमान	12:28:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	19:14:44 मीन
लग्न के अंश	08:46:03 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	08:46:03	327:06:16	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			मीन	19:14:44	00:59:08	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	02:17:38	12:22:59	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मीन	00:37:58	00:46:53	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
बुध			कुंभ	21:28:56	00:57:32	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु			मिथु	21:42:27	00:04:18	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	10:09:17	01:13:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:35:56	00:07:27	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:22:45	00:05:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:22:45	00:05:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:38:00	00:02:41	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:03:43	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	11:01:33	00:00:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:56:29	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

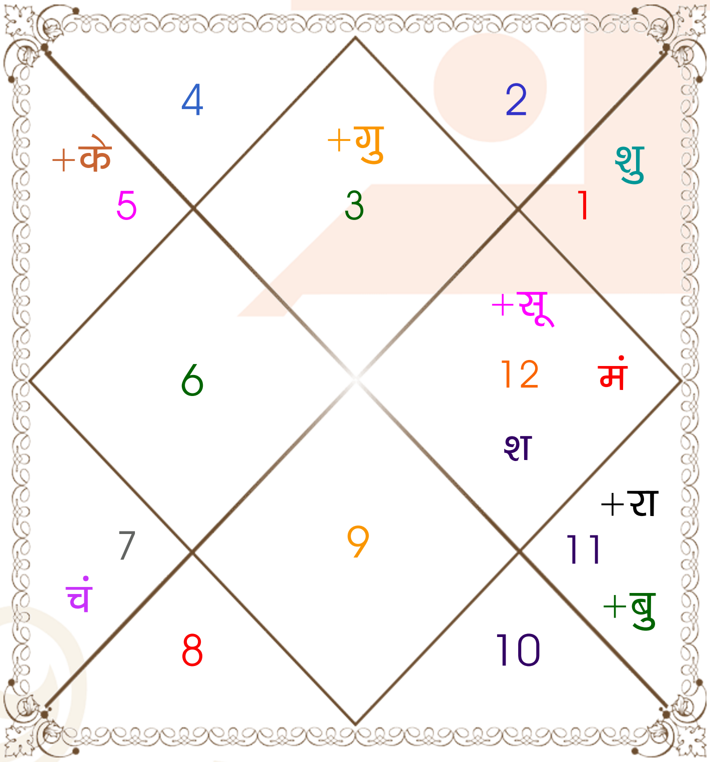

चन्द्र कुंडली

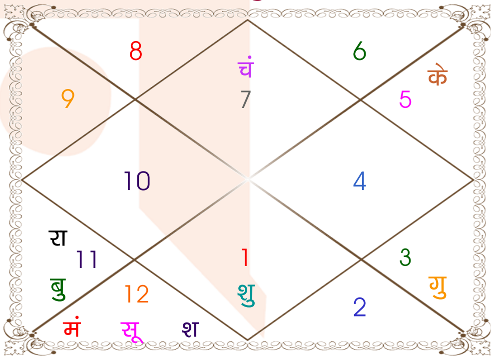

नवमांश कुंडली

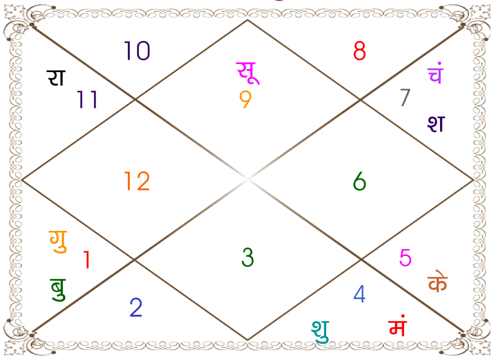

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 3 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
03/04/2026	**19/07/2028**	**20/07/2046**	**20/07/2062**	**20/07/2081**
19/07/2028	**20/07/2046**	**20/07/2062**	**20/07/2081**	**20/07/2098**
00/00/0000	राहु 02/04/2031	गुरु 06/09/2048	शनि 23/07/2065	बुध 16/12/2083
00/00/0000	गुरु 25/08/2033	शनि 20/03/2051	बुध 01/04/2068	केतु 13/12/2084
00/00/0000	शनि 01/07/2036	बुध 25/06/2053	केतु 11/05/2069	शुक्र 13/10/2087
00/00/0000	बुध 19/01/2039	केतु 01/06/2054	शुक्र 10/07/2072	सूर्य 19/08/2088
03/04/2026	केतु 06/02/2040	शुक्र 30/01/2057	सूर्य 22/06/2073	चंद्र 18/01/2090
केतु 13/06/2026	शुक्र 06/02/2043	सूर्य 18/11/2057	चंद्र 22/01/2075	मंगल 16/01/2091
शुक्र 14/08/2027	सूर्य 01/01/2044	चंद्र 20/03/2059	मंगल 01/03/2076	राहु 04/08/2093
सूर्य 19/12/2027	चंद्र 01/07/2045	मंगल 24/02/2060	राहु 06/01/2079	गुरु 10/11/2095
चंद्र 19/07/2028	मंगल 20/07/2046	राहु 20/07/2062	गुरु 20/07/2081	शनि 20/07/2098

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
20/07/2098	**21/07/2105**	**21/07/2125**	**21/07/2131**	**21/07/2141**
21/07/2105	**21/07/2125**	**21/07/2131**	**21/07/2141**	**00/00/0000**
केतु 16/12/2098	शुक्र 19/11/2108	सूर्य 07/11/2125	चंद्र 21/05/2132	मंगल 17/12/2141
शुक्र 15/02/2100	सूर्य 19/11/2109	चंद्र 09/05/2126	मंगल 20/12/2132	राहु 04/01/2143
सूर्य 23/06/2100	चंद्र 21/07/2111	मंगल 14/09/2126	राहु 21/06/2134	गुरु 11/12/2143
चंद्र 22/01/2101	मंगल 19/09/2112	राहु 08/08/2127	गुरु 21/10/2135	शनि 19/01/2145
मंगल 20/06/2101	राहु 20/09/2115	गुरु 27/05/2128	शनि 21/05/2137	बुध 16/01/2146
राहु 09/07/2102	गुरु 21/05/2118	शनि 09/05/2129	बुध 20/10/2138	केतु 04/04/2146
गुरु 15/06/2103	शनि 21/07/2121	बुध 15/03/2130	केतु 21/05/2139	00/00/0000
शनि 23/07/2104	बुध 21/05/2124	केतु 21/07/2130	शुक्र 19/01/2141	00/00/0000
बुध 21/07/2105	केतु 21/07/2125	शुक्र 21/07/2131	सूर्य 21/07/2141	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 3 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।